

PCT

WORLD INTELLECTUAL PROPERTY ORGANIZATION
International Bureau



INTERNATIONAL APPLICATION PUBLISHED UNDER THE PATENT COOPERATION TREATY (PCT)

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|--|-------------------------|--|--|----|------------|------------------------|----|------------|------------------------|----|------------|------------------------|----|------------|------------------------|----|------------|------------------------|----|------------|------------------------|----|------------|------------------------|----|------------|------------------------|----|------------|------------------------|----|------------|------------------------|----|------------|------------------------|----|------------|------------------------|----|------------|------------------------|----|------------|------------------------|----|------------|------------------------|----|------------|-------------------------|----|------------|-------------------------|----|------------|-------------------------|----|------------|-------------------------|----|------------|-------------------------|----|------------|-------------------------|----|--|--|
| (51) International Patent Classification ⁶ : C12N 15/12, C07K 14/705, C12N 15/62, C07K 16/28 | | A2 | (11) International Publication Number: WO 99/63088 (43) International Publication Date: 9 December 1999 (09.12.99) | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| (21) International Application Number: PCT/US99/12252 (22) International Filing Date: 2 June 1999 (02.06.99) | | (71) Applicant (for all designated States except US): GENENTECH, INC. [US/US]; 1 DNA Way, South San Francisco, CA 94080-4990 (US). (72) Inventors; and (75) Inventors/Applicants (for US only): BAKER, Kevin [GB/US]; 14006 Indian Run Drive, Darnestown, MD 20878 (US). CHEN, Jian [CN/US]; 22-03 Hunters Glen Drive, Plainsboro, NJ 08536-3854 (US). GODDARD, Audrey [CA/US]; 110 Congo Street, San Francisco, CA 94131 (US). GURNEY, Austin, L. [US/US]; 1 Debbie Lane, Belmont, CA 94002 (US). SMITH, Victoria [AU/US]; 19 Dwight Road, Burlingame, CA 94010 (US). WATANABE, Colin, K. [US/US]; 128 Corliss Drive, Moraga, CA 94556 (US). WOOD, William, I. [US/US]; 35 Southdown Court, Hillsborough, CA 94010 (US). YUAN, Jean [CN/US]; 176 West 37th Avenue, San Mateo, CA 94403 (US). (74) Agents: KRESNAK, Mark, T. et al.; Genentech, Inc., 1 DNA Way, South San Francisco, CA 94080-4990 (US). (81) Designated States: AE, AL, AM, AT, AU, AZ, BA, BB, BG, BR, BY, CA, CH, CN, CU, CZ, DE, DK, EE, ES, FI, GB, GD, GE, GH, GM, HR, HU, ID, IL, IN, IS, JP, KE, KG, KP, KR, KZ, LC, LK, LR, LS, LT, LU, LV, MD, MG, MK, MN, MW, MX, NO, NZ, PL, PT, RO, RU, SD, SE, SG, SI, SK, SL, TJ, TM, TR, TT, UA, UG, US, UZ, VN, YU, ZA, ZW, ARIPO patent (GH, GM, KE, LS, MW, SD, SL, SZ, UG, ZW), Eurasian patent (AM, AZ, BY, KG, KZ, MD, RU, TJ, TM), European patent (AT, BE, CH, CY, DE, DK, ES, FI, FR, GB, GR, IE, IT, LU, MC, NL, PT, SE), OAPI patent (BF, BJ, CF, CG, CI, CM, GA, GN, GW, ML, MR, NE, SN, TD, TG). | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| <p>(30) Priority Data:</p> <table border="0"> <tr><td>60/087,607</td><td>2 June 1998 (02.06.98)</td><td>US</td></tr> <tr><td>60/087,609</td><td>2 June 1998 (02.06.98)</td><td>US</td></tr> <tr><td>60/087,759</td><td>2 June 1998 (02.06.98)</td><td>US</td></tr> <tr><td>60/087,827</td><td>3 June 1998 (03.06.98)</td><td>US</td></tr> <tr><td>60/088,021</td><td>4 June 1998 (04.06.98)</td><td>US</td></tr> <tr><td>60/088,025</td><td>4 June 1998 (04.06.98)</td><td>US</td></tr> <tr><td>60/088,028</td><td>4 June 1998 (04.06.98)</td><td>US</td></tr> <tr><td>60/088,029</td><td>4 June 1998 (04.06.98)</td><td>US</td></tr> <tr><td>60/088,030</td><td>4 June 1998 (04.06.98)</td><td>US</td></tr> <tr><td>60/088,033</td><td>4 June 1998 (04.06.98)</td><td>US</td></tr> <tr><td>60/088,326</td><td>4 June 1998 (04.06.98)</td><td>US</td></tr> <tr><td>60/088,167</td><td>5 June 1998 (05.06.98)</td><td>US</td></tr> <tr><td>60/088,202</td><td>5 June 1998 (05.06.98)</td><td>US</td></tr> <tr><td>60/088,212</td><td>5 June 1998 (05.06.98)</td><td>US</td></tr> <tr><td>60/088,217</td><td>5 June 1998 (05.06.98)</td><td>US</td></tr> <tr><td>60/088,655</td><td>9 June 1998 (09.06.98)</td><td>US</td></tr> <tr><td>60/088,722</td><td>10 June 1998 (10.06.98)</td><td>US</td></tr> <tr><td>60/088,730</td><td>10 June 1998 (10.06.98)</td><td>US</td></tr> <tr><td>60/088,734</td><td>10 June 1998 (10.06.98)</td><td>US</td></tr> <tr><td>60/088,738</td><td>10 June 1998 (10.06.98)</td><td>US</td></tr> <tr><td>60/088,740</td><td>10 June 1998 (10.06.98)</td><td>US</td></tr> <tr><td>60/088,741</td><td>10 June 1998 (10.06.98)</td><td>US</td></tr> </table> <p>(Continued after the drawings)</p> | | 60/087,607 | 2 June 1998 (02.06.98) | US | 60/087,609 | 2 June 1998 (02.06.98) | US | 60/087,759 | 2 June 1998 (02.06.98) | US | 60/087,827 | 3 June 1998 (03.06.98) | US | 60/088,021 | 4 June 1998 (04.06.98) | US | 60/088,025 | 4 June 1998 (04.06.98) | US | 60/088,028 | 4 June 1998 (04.06.98) | US | 60/088,029 | 4 June 1998 (04.06.98) | US | 60/088,030 | 4 June 1998 (04.06.98) | US | 60/088,033 | 4 June 1998 (04.06.98) | US | 60/088,326 | 4 June 1998 (04.06.98) | US | 60/088,167 | 5 June 1998 (05.06.98) | US | 60/088,202 | 5 June 1998 (05.06.98) | US | 60/088,212 | 5 June 1998 (05.06.98) | US | 60/088,217 | 5 June 1998 (05.06.98) | US | 60/088,655 | 9 June 1998 (09.06.98) | US | 60/088,722 | 10 June 1998 (10.06.98) | US | 60/088,730 | 10 June 1998 (10.06.98) | US | 60/088,734 | 10 June 1998 (10.06.98) | US | 60/088,738 | 10 June 1998 (10.06.98) | US | 60/088,740 | 10 June 1998 (10.06.98) | US | 60/088,741 | 10 June 1998 (10.06.98) | US | <p>Published Without international search report and to be republished upon receipt of that report.</p> | |
| 60/087,607 | 2 June 1998 (02.06.98) | US | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 60/087,609 | 2 June 1998 (02.06.98) | US | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 60/087,759 | 2 June 1998 (02.06.98) | US | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 60/087,827 | 3 June 1998 (03.06.98) | US | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 60/088,021 | 4 June 1998 (04.06.98) | US | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 60/088,025 | 4 June 1998 (04.06.98) | US | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 60/088,028 | 4 June 1998 (04.06.98) | US | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 60/088,029 | 4 June 1998 (04.06.98) | US | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 60/088,030 | 4 June 1998 (04.06.98) | US | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 60/088,033 | 4 June 1998 (04.06.98) | US | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 60/088,326 | 4 June 1998 (04.06.98) | US | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 60/088,167 | 5 June 1998 (05.06.98) | US | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 60/088,202 | 5 June 1998 (05.06.98) | US | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 60/088,212 | 5 June 1998 (05.06.98) | US | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 60/088,217 | 5 June 1998 (05.06.98) | US | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 60/088,655 | 9 June 1998 (09.06.98) | US | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 60/088,722 | 10 June 1998 (10.06.98) | US | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 60/088,730 | 10 June 1998 (10.06.98) | US | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 60/088,734 | 10 June 1998 (10.06.98) | US | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 60/088,738 | 10 June 1998 (10.06.98) | US | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 60/088,740 | 10 June 1998 (10.06.98) | US | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 60/088,741 | 10 June 1998 (10.06.98) | US | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| (54) Title: MEMBRANE-BOUND PROTEINS AND NUCLEIC ACIDS ENCODING THE SAME | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| (57) Abstract | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| <p>The present invention is directed to polypeptides and to nucleic acid molecules encoding those polypeptides. Also provided herein are vectors and host cells comprising those nucleic acid sequences, chimeric polypeptide molecules comprising the polypeptides of the present invention fused to heterologous polypeptide sequences, antibodies which bind to the polypeptides of the present invention and to methods for producing the polypeptides of the present invention.</p> | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

the test DNA molecule under conditions suitable for expression of the polypeptide, and (iii) recovering the polypeptide from the cell culture.

In yet another embodiment, the invention concerns agonists and antagonists of a native PRO1131 polypeptide. In a particular embodiment, the agonist or antagonist is an anti-PRO1131 antibody.

In a further embodiment, the invention concerns a method of identifying agonists or antagonists of a native PRO1131 polypeptide, by contacting the native PRO1131 polypeptide with a candidate molecule and monitoring a biological activity mediated by said polypeptide.

In a still further embodiment, the invention concerns a composition comprising a PRO1131 polypeptide, or an agonist or antagonist as hereinabove defined, in combination with a pharmaceutically acceptable carrier.

In another embodiment, the invention provides an expressed sequence tag (EST) designated herein as DNA43546 comprising the nucleotide sequence of Figure 231 (SEQ ID NO:320).

99. PRO1281

A cDNA clone (DNA59820-1549) has been identified that encodes a novel secreted polypeptide designated in the present application as "PRO1281".

In one embodiment, the invention provides an isolated nucleic acid molecule comprising DNA encoding a PRO1281 polypeptide.

In one aspect, the isolated nucleic acid comprises DNA having at least about 80% sequence identity, preferably at least about 85% sequence identity, more preferably at least about 90% sequence identity, most preferably at least about 95% sequence identity to (a) a DNA molecule encoding a PRO1281 polypeptide having the sequence of amino acid residues from about 16 to about 775, inclusive of Figure 233 (SEQ ID NO:326), or (b) the complement of the DNA molecule of (a).

In another aspect, the invention concerns an isolated nucleic acid molecule encoding a PRO1281 polypeptide comprising DNA hybridizing to the complement of the nucleic acid between about residues 273 and about 2552, inclusive, of Figure 232 (SEQ ID NO:325). Preferably, hybridization occurs under stringent hybridization and wash conditions.

In a further aspect, the invention concerns an isolated nucleic acid molecule comprising DNA having at least about 80% sequence identity, preferably at least about 85% sequence identity, more preferably at least about 90% sequence identity, most preferably at least about 95% sequence identity to (a) a DNA molecule encoding the same mature polypeptide encoded by the human protein cDNA in ATCC Deposit No. 203129 (DNA59820-1549), or (b) the complement of the DNA molecule of (a). In a preferred embodiment, the nucleic acid comprises a DNA encoding the same mature polypeptide encoded by the human protein cDNA in ATCC Deposit No. 203129 (DNA59820-1549).

In a still further aspect, the invention concerns an isolated nucleic acid molecule comprising (a) DNA encoding a polypeptide having at least about 80% sequence identity, preferably at least about 85% sequence identity, more preferably at least about 90% sequence identity, most preferably at least about 95% sequence identity to the sequence of amino acid residues from about 16 to about 775, inclusive of Figure 233 (SEQ ID NO:326), or the complement of the DNA of (a).

In a further aspect, the invention concerns an isolated nucleic acid molecule having at least about 50 nucleotides, and preferably at least about 100 nucleotides and produced by hybridizing a test DNA molecule under stringent conditions with (a) a DNA molecule encoding a PRO1281 polypeptide having the sequence of amino acid residues from about 16 to about 775, inclusive of Figure 233 (SEQ ID NO:326), or (b) the complement of the DNA molecule of (a), and, if the DNA molecule has at least about an 80 % sequence identity, preferably at least about an 85 % sequence identity, more preferably at least about a 90 % sequence identity, most preferably at least about a 95 % sequence identity to (a) or (b), isolating the test DNA molecule.

In a specific aspect, the invention provides an isolated nucleic acid molecule comprising DNA encoding a PRO1281 polypeptide, with or without the N-terminal signal sequence and/or the initiating methionine, or is complementary to such encoding nucleic acid molecule. The signal peptide has been tentatively identified as extending from amino acid position 1 through about amino acid position 15 in the sequence of Figure 233 (SEQ ID NO:326).

In another aspect, the invention concerns an isolated nucleic acid molecule comprising (a) DNA encoding a polypeptide scoring at least about 80% positives, preferably at least about 85% positives, more preferably at least about 90% positives, most preferably at least about 95% positives when compared with the amino acid sequence of residues 16 to about 775, inclusive of Figure 233 (SEQ ID NO:326), or (b) the complement of the DNA of (a).

Another embodiment is directed to fragments of a PRO1281 polypeptide coding sequence that may find use as hybridization probes. Such nucleic acid fragments are from about 20 to about 80 nucleotides in length, preferably from about 20 to about 60 nucleotides in length, more preferably from about 20 to about 50 nucleotides in length, and most preferably from about 20 to about 40 nucleotides in length.

In another embodiment, the invention provides isolated PRO1281 polypeptide encoded by any of the isolated nucleic acid sequences hereinabove defined.

In a specific aspect, the invention provides isolated native sequence PRO1281 polypeptide, which in one embodiment, includes an amino acid sequence comprising residues 16 to 775 of Figure 233 (SEQ ID NO:326).

In another aspect, the invention concerns an isolated PRO1281 polypeptide, comprising an amino acid sequence having at least about 80% sequence identity, preferably at least about 85% sequence identity, more preferably at least about 90% sequence identity, most preferably at least about 95% sequence identity to the sequence of amino acid residues 16 to about 775, inclusive of Figure 233 (SEQ ID NO:326).

In a further aspect, the invention concerns an isolated PRO1281 polypeptide, comprising an amino acid sequence scoring at least about 80% positives, preferably at least about 85% positives, more preferably at least about 90% positives, most preferably at least about 95% positives when compared with the amino acid sequence of residues 16 to 775 of Figure 233 (SEQ ID NO:326).

In yet another aspect, the invention concerns an isolated PRO1281 polypeptide, comprising the sequence of amino acid residues 16 to about 775, inclusive of Figure 233 (SEQ ID NO:326), or a fragment thereof sufficient to provide a binding site for an anti-PRO1281 antibody. Preferably, the PRO1281 fragment retains a qualitative biological activity of a native PRO1281 polypeptide.

In a still further aspect, the invention provides a polypeptide produced by (i) hybridizing a test DNA molecule under stringent conditions with (a) a DNA molecule encoding a PRO1281 polypeptide having the sequence of amino acid residues from about 16 to about 775, inclusive of Figure 233 (SEQ ID NO:326), or (b) the complement of the DNA molecule of (a), and if the test DNA molecule has at least about an 80% sequence identity, preferably at least about an 85% sequence identity, more preferably at least about a 90% sequence identity, most preferably at least about a 95% sequence identity to (a) or (b), (ii) culturing a host cell comprising the test DNA molecule under conditions suitable for expression of the polypeptide, and (iii) recovering the polypeptide from the cell culture.

100. PRO1064

10 A cDNA clone (DNA59827-1426) has been identified that encodes a novel transmembrane polypeptide, designated in the present application as "PRO1064".

In one embodiment, the invention provides an isolated nucleic acid molecule comprising DNA encoding a PRO1064 polypeptide.

15 In one aspect, the isolated nucleic acid comprises DNA having at least about 80% sequence identity, preferably at least about 85% sequence identity, more preferably at least about 90% sequence identity, most preferably at least about 95% sequence identity to (a) a DNA molecule encoding a PRO1064 polypeptide having the sequence of amino acid residues from about 1 or about 25 to about 153, inclusive of Figure 235 (SEQ ID NO:334), or (b) the complement of the DNA molecule of (a).

20 In another aspect, the invention concerns an isolated nucleic acid molecule encoding a PRO1064 polypeptide comprising DNA hybridizing to the complement of the nucleic acid between about nucleotides 532 or about 604 and about 990, inclusive, of Figure 234 (SEQ ID NO:333). Preferably, hybridization occurs under stringent hybridization and wash conditions.

25 In a further aspect, the invention concerns an isolated nucleic acid molecule comprising DNA having at least about 80% sequence identity, preferably at least about 85% sequence identity, more preferably at least about 90% sequence identity, most preferably at least about 95% sequence identity to (a) a DNA molecule encoding the same mature polypeptide encoded by the human protein cDNA in ATCC Deposit No. 203089 (DNA59827-1426) or (b) the complement of the nucleic acid molecule of (a). In a preferred embodiment, the nucleic acid comprises a DNA encoding the same mature polypeptide encoded by the human protein cDNA in ATCC Deposit No. 203089 (DNA59827-1426).

30 In still a further aspect, the invention concerns an isolated nucleic acid molecule comprising (a) DNA encoding a polypeptide having at least about 80% sequence identity, preferably at least about 85% sequence identity, more preferably at least about 90% sequence identity, most preferably at least about 95% sequence identity to the sequence of amino acid residues 1 or about 25 to about 153, inclusive of Figure 235 (SEQ ID NO:334), or (b) the complement of the DNA of (a).

35 In a further aspect, the invention concerns an isolated nucleic acid molecule having at least 10 nucleotides and produced by hybridizing a test DNA molecule under stringent conditions with (a) a DNA molecule encoding a PRO1064 polypeptide having the sequence of amino acid residues from 1 or about 25 to

an isolated PRO polypeptide nucleic acid molecule includes PRO polypeptide nucleic acid molecules contained in cells that ordinarily express the PRO polypeptide where, for example, the nucleic acid molecule is in a chromosomal location different from that of natural cells.

The term "control sequences" refers to DNA sequences necessary for the expression of an operably linked coding sequence in a particular host organism. The control sequences that are suitable for prokaryotes, for example, include a promoter, optionally an operator sequence, and a ribosome binding site. Eukaryotic cells are known to utilize promoters, polyadenylation signals, and enhancers.

Nucleic acid is "operably linked" when it is placed into a functional relationship with another nucleic acid sequence. For example, DNA for a presequence or secretory leader is operably linked to DNA for a polypeptide if it is expressed as a preprotein that participates in the secretion of the polypeptide; a promoter or enhancer is operably linked to a coding sequence if it affects the transcription of the sequence; or a ribosome binding site is operably linked to a coding sequence if it is positioned so as to facilitate translation. Generally, "operably linked" means that the DNA sequences being linked are contiguous, and, in the case of a secretory leader, contiguous and in reading phase. However, enhancers do not have to be contiguous. Linking is accomplished by ligation at convenient restriction sites. If such sites do not exist, the synthetic oligonucleotide adaptors or linkers are used in accordance with conventional practice.

The term "antibody" is used in the broadest sense and specifically covers, for example, single anti-PRO monoclonal antibodies (including agonist, antagonist, and neutralizing antibodies), anti-PRO antibody compositions with polyepitopic specificity, single chain anti-PRO antibodies, and fragments of anti-PRO antibodies (see below). The term "monoclonal antibody" as used herein refers to an antibody obtained from a population of substantially homogeneous antibodies, i.e., the individual antibodies comprising the population are identical except for possible naturally-occurring mutations that may be present in minor amounts.

"Stringency" of hybridization reactions is readily determinable by one of ordinary skill in the art, and generally is an empirical calculation dependent upon probe length, washing temperature, and salt concentration. In general, longer probes require higher temperatures for proper annealing, while shorter probes need lower temperatures. Hybridization generally depends on the ability of denatured DNA to reanneal when complementary strands are present in an environment below their melting temperature. The higher the degree of desired homology between the probe and hybridizable sequence, the higher the relative temperature which can be used. As a result, it follows that higher relative temperatures would tend to make the reaction conditions more stringent, while lower temperatures less so. For additional details and explanation of stringency of hybridization reactions, see Ausubel et al., Current Protocols in Molecular Biology, Wiley Interscience Publishers, (1995).

"Stringent conditions" or "high stringency conditions", as defined herein, may be identified by those that: (1) employ low ionic strength and high temperature for washing, for example 0.015 M sodium chloride/0.0015 M sodium citrate/0.1% sodium dodecyl sulfate at 50°C; (2) employ during hybridization a denaturing agent, such as formamide, for example, 50% (v/v) formamide with 0.1% bovine serum albumin/0.1% Ficoll/0.1% polyvinylpyrrolidone/50mM sodium phosphate buffer at pH 6.5 with 750 mM sodium chloride, 75 mM sodium citrate at 42°C; or (3) employ 50% formamide, 5 x SSC (0.75 M NaCl, 0.075 M

include agonist or antagonist antibodies or antibody fragments, fragments or amino acid sequence variants of native PRO polypeptides, peptides, small organic molecules, etc. Methods for identifying agonists or antagonists of a PRO polypeptide may comprise contacting a PRO polypeptide with a candidate agonist or antagonist molecule and measuring a detectable change in one or more biological activities normally associated with the PRO polypeptide.

5 "Treatment" refers to both therapeutic treatment and prophylactic or preventative measures, wherein the object is to prevent or slow down (lessen) the targeted pathologic condition or disorder. Those in need of treatment include those already with the disorder as well as those prone to have the disorder or those in whom the disorder is to be prevented.

"Chronic" administration refers to administration of the agent(s) in a continuous mode as opposed to
10 an acute mode, so as to maintain the initial therapeutic effect (activity) for an extended period of time. "Intermittent" administration is treatment that is not consecutively done without interruption, but rather is cyclic in nature.

"Mammal" for purposes of treatment refers to any animal classified as a mammal, including humans, domestic and farm animals, and zoo, sports, or pet animals, such as dogs, cats, cattle, horses, sheep, pigs, goats,
15 rabbits, etc. Preferably, the mammal is human.

Administration "in combination with" one or more further therapeutic agents includes simultaneous (concurrent) and consecutive administration in any order.

"Carriers" as used herein include pharmaceutically acceptable carriers, excipients, or stabilizers which are nontoxic to the cell or mammal being exposed thereto at the dosages and concentrations employed. Often
20 the physiologically acceptable carrier is an aqueous pH buffered solution. Examples of physiologically acceptable carriers include buffers such as phosphate, citrate, and other organic acids; antioxidants including ascorbic acid; low molecular weight (less than about 10 residues) polypeptide; proteins, such as serum albumin, gelatin, or immunoglobulins; hydrophilic polymers such as polyvinylpyrrolidone; amino acids such as glycine, glutamine, asparagine, arginine or lysine; monosaccharides, disaccharides, and other carbohydrates including
25 glucose, mannose, or dextrans; chelating agents such as EDTA; sugar alcohols such as mannitol or sorbitol; salt-forming counterions such as sodium; and/or nonionic surfactants such as TWEEN™, polyethylene glycol (PEG), and PLURONICS™.

"Antibody fragments" comprise a portion of an intact antibody, preferably the antigen binding or variable region of the intact antibody. Examples of antibody fragments include Fab, Fab', F(ab')₂, and Fv
30 fragments; diabodies; linear antibodies (Zapata et al., *Protein Eng.* 8(10): 1057-1062 [1995]); single-chain antibody molecules; and multispecific antibodies formed from antibody fragments.

Papain digestion of antibodies produces two identical antigen-binding fragments, called "Fab" fragments, each with a single antigen-binding site, and a residual "Fc" fragment, a designation reflecting the ability to crystallize readily. Pepsin treatment yields an F(ab')₂ fragment that has two antigen-combining sites
35 and is still capable of cross-linking antigen.

"Fv" is the minimum antibody fragment which contains a complete antigen-recognition and -binding site. This region consists of a dimer of one heavy- and one light-chain variable domain in tight, non-covalent association. It is in this configuration that the three CDRs of each variable domain interact to define an antigen-binding site on the surface of the VH-VL dimer. Collectively, the six CDRs confer antigen-binding specificity to the antibody. However, even a single variable domain (or half of an Fv comprising only three CDRs specific
5 for an antigen) has the ability to recognize and bind antigen, although at a lower affinity than the entire binding site.

The Fab fragment also contains the constant domain of the light chain and the first constant domain (CH1) of the heavy chain. Fab fragments differ from Fab' fragments by the addition of a few residues at the carboxy terminus of the heavy chain CH1 domain including one or more cysteines from the antibody hinge
10 region. Fab'-SH is the designation herein for Fab' in which the cysteine residue(s) of the constant domains bear a free thiol group. F(ab')₂ antibody fragments originally were produced as pairs of Fab' fragments which have hinge cysteines between them. Other chemical couplings of antibody fragments are also known.

The "light chains" of antibodies (immunoglobulins) from any vertebrate species can be assigned to one of two clearly distinct types, called kappa and lambda, based on the amino acid sequences of their constant
15 domains.

Depending on the amino acid sequence of the constant domain of their heavy chains, immunoglobulins can be assigned to different classes. There are five major classes of immunoglobulins: IgA, IgD, IgE, IgG, and IgM, and several of these may be further divided into subclasses (isotypes), e.g., IgG1, IgG2, IgG3, IgG4, IgA,
and IgA2.

"Single-chain Fv" or "sFv" antibody fragments comprise the VH and VL domains of antibody, wherein these domains are present in a single polypeptide chain. Preferably, the Fv polypeptide further comprises a polypeptide linker between the VH and VL domains which enables the sFv to form the desired structure for antigen binding. For a review of sFv, see Pluckthun in The Pharmacology of Monoclonal Antibodies, vol. 113,
20 Rosenberg and Moore eds., Springer-Verlag, New York, pp. 269-315 (1994).

The term "diabodies" refers to small antibody fragments with two antigen-binding sites, which fragments comprise a heavy-chain variable domain (VH) connected to a light-chain variable domain (VL) in the same polypeptide chain (VH - VL). By using a linker that is too short to allow pairing between the two domains on the same chain, the domains are forced to pair with the complementary domains of another chain and create two antigen-binding sites. Diabodies are described more fully in, for example, EP 404,097; WO 93/11161; and
25 Hollinger et al., Proc. Natl. Acad. Sci. USA, 90:6444-6448 (1993).

An "isolated" antibody is one which has been identified and separated and/or recovered from a component of its natural environment. Contaminant components of its natural environment are materials which would interfere with diagnostic or therapeutic uses for the antibody, and may include enzymes, hormones, and other proteinaceous or nonproteinaceous solutes. In preferred embodiments, the antibody will be purified (1)
30 to greater than 95% by weight of antibody as determined by the Lowry method, and most preferably more than 99% by weight, (2) to a degree sufficient to obtain at least 15 residues of N-terminal or internal amino acid sequence by use of a spinning cup sequenator, or (3) to homogeneity by SDS-PAGE under reducing or

nonreducing conditions using Coomassie blue or, preferably, silver stain. Isolated antibody includes the antibody in situ within recombinant cells since at least one component of the antibody's natural environment will not be present. Ordinarily, however, isolated antibody will be prepared by at least one purification step.

The word "label" when used herein refers to a detectable compound or composition which is conjugated directly or indirectly to the antibody so as to generate a "labeled" antibody. The label may be detectable by itself
5 (e.g. radioisotope labels or fluorescent labels) or, in the case of an enzymatic label, may catalyze chemical alteration of a substrate compound or composition which is detectable.

By "solid phase" is meant a non-aqueous matrix to which the antibody of the present invention can adhere. Examples of solid phases encompassed herein include those formed partially or entirely of glass (e.g., controlled pore glass), polysaccharides (e.g., agarose), polyacrylamides, polystyrene, polyvinyl alcohol and
10 silicones. In certain embodiments, depending on the context, the solid phase can comprise the well of an assay plate; in others it is a purification column (e.g., an affinity chromatography column). This term also includes a discontinuous solid phase of discrete particles, such as those described in U.S. Patent No. 4,275,149.

A "liposome" is a small vesicle composed of various types of lipids, phospholipids and/or surfactant which is useful for delivery of a drug (such as a PRO polypeptide or antibody thereto) to a mammal. The
15 components of the liposome are commonly arranged in a bilayer formation, similar to the lipid arrangement of biological membranes.

A "small molecule" is defined herein to have a molecular weight below about 500 Daltons.

II. Compositions and Methods of the Invention

20 The present invention provides newly identified and isolated nucleotide sequences encoding polypeptides referred to in the present application as PRO polypeptides. In particular, cDNAs encoding various PRO polypeptides have been identified and isolated, as disclosed in further detail in the Examples below. It is noted that proteins produced in separate expression rounds may be given different PRO numbers but the UNQ number is unique for any given DNA and the encoded protein, and will not be changed. However, for sake of
25 simplicity, in the present specification the protein encoded by the full length native nucleic acid molecules disclosed herein as well as all further native homologues and variants included in the foregoing definition of PRO, will be referred to as "PRO/number", regardless of their origin or mode of preparation.

As disclosed in the Examples below, various cDNA clones have been deposited with the ATCC. The actual nucleotide sequences of those clones can readily be determined by the skilled artisan by sequencing of the
30 deposited clone using routine methods in the art. The predicted amino acid sequence can be determined from the nucleotide sequence using routine skill. For the PRO polypeptides and encoding nucleic acids described herein, Applicants have identified what is believed to be the reading frame best identifiable with the sequence information available at the time.

35 1. Full-length PRO281 Polypeptides

The present invention provides newly identified and isolated nucleotide sequences encoding polypeptides referred to in the present application as PRO281 (UNQ244). In particular, cDNA encoding a PRO281

Another means of increasing the number of carbohydrate moieties on the PRO polypeptide is by chemical or enzymatic coupling of glycosides to the polypeptide. Such methods are described in the art, e.g., in WO 87/05330 published 11 September 1987, and in Aplin and Wriston, CRC Crit. Rev. Biochem., pp. 259-306 (1981).

5 Removal of carbohydrate moieties present on the PRO polypeptide may be accomplished chemically or enzymatically or by mutational substitution of codons encoding for amino acid residues that serve as targets for glycosylation. Chemical deglycosylation techniques are known in the art and described, for instance, by Hakimuddin, et al., Arch. Biochem. Biophys., 259:52 (1987) and by Edge et al., Anal. Biochem., 118:131 (1981). Enzymatic cleavage of carbohydrate moieties on polypeptides can be achieved by the use of a variety of endo- and exo-glycosidases as described by Thotakura et al., Meth. Enzymol., 138:350 (1987).

10 Another type of covalent modification of PRO comprises linking the PRO polypeptide to one of a variety of nonproteinaceous polymers, e.g., polyethylene glycol (PEG), polypropylene glycol, or polyoxyalkylenes, in the manner set forth in U.S. Patent Nos. 4,640,835; 4,496,689; 4,301,144; 4,670,417; 4,791,192 or 4,179,337.

The PRO of the present invention may also be modified in a way to form a chimeric molecule comprising PRO fused to another, heterologous polypeptide or amino acid sequence.

15 In one embodiment, such a chimeric molecule comprises a fusion of the PRO with a tag polypeptide which provides an epitope to which an anti-tag antibody can selectively bind. The epitope tag is generally placed at the amino- or carboxyl- terminus of the PRO. The presence of such epitope-tagged forms of the PRO can be detected using an antibody against the tag polypeptide. Also, provision of the epitope tag enables the PRO to be readily purified by affinity purification using an anti-tag antibody or another type of affinity matrix that binds
20 to the epitope tag. Various tag polypeptides and their respective antibodies are well known in the art. Examples include poly-histidine (poly-his) or poly-histidine-glycine (poly-his-gly) tags; the flu HA tag polypeptide and its antibody 12CA5 [Field et al., Mol. Cell. Biol., 8:2159-2165 (1988)]; the c-myc tag and the 8F9, 3C7, 6E10, G4, B7 and 9E10 antibodies thereto [Evan et al., Molecular and Cellular Biology, 5:3610-3616 (1985)]; and the Herpes Simplex virus glycoprotein D (gD) tag and its antibody [Paborsky et al., Protein Engineering, 3(6):547-
25 553 (1990)]. Other tag polypeptides include the Flag-peptide [Hopp et al., BioTechnology, 6:1204-1210 (1988)]; the KT3 epitope peptide [Martin et al., Science, 255:192-194 (1992)]; an α -tubulin epitope peptide [Skinner et al., J. Biol. Chem., 266:15163-15166 (1991)]; and the T7 gene 10 protein peptide tag [Lutz-Freyermuth et al., Proc. Natl. Acad. Sci. USA, 87:6393-6397 (1990)].

In an alternative embodiment, the chimeric molecule may comprise a fusion of the PRO with an
30 immunoglobulin or a particular region of an immunoglobulin. For a bivalent form of the chimeric molecule (also referred to as an "immunoadhesin"), such a fusion could be to the Fc region of an IgG molecule. The Ig fusions preferably include the substitution of a soluble (transmembrane domain deleted or inactivated) form of a PRO polypeptide in place of at least one variable region within an Ig molecule. In a particularly preferred embodiment, the immunoglobulin fusion includes the hinge, CH2 and CH3, or the hinge, CH1, CH2 and CH3
35 regions of an IgG1 molecule. For the production of immunoglobulin fusions see also US Patent No. 5,428,130 issued June 27, 1995.

D. Preparation of PRO

The description below relates primarily to production of PRO by culturing cells transformed or transfected with a vector containing PRO nucleic acid. It is, of course, contemplated that alternative methods, which are well known in the art, may be employed to prepare PRO. For instance, the PRO sequence, or portions thereof, may be produced by direct peptide synthesis using solid-phase techniques [see, e.g., Stewart et al., Solid-Phase Peptide Synthesis, W.H. Freeman Co., San Francisco, CA (1969); Merrifield, J. Am. Chem. Soc., 85:2149-2154 (1963)]. *In vitro* protein synthesis may be performed using manual techniques or by automation. Automated synthesis may be accomplished, for instance, using an Applied Biosystems Peptide Synthesizer (Foster City, CA) using manufacturer's instructions. Various portions of the PRO may be chemically synthesized separately and combined using chemical or enzymatic methods to produce the full-length PRO.

1. Isolation of DNA Encoding PRO

DNA encoding PRO may be obtained from a cDNA library prepared from tissue believed to possess the PRO mRNA and to express it at a detectable level. Accordingly, human PRO DNA can be conveniently obtained from a cDNA library prepared from human tissue, such as described in the Examples. The PRO-encoding gene may also be obtained from a genomic library or by known synthetic procedures (e.g., automated nucleic acid synthesis).

Libraries can be screened with probes (such as antibodies to the PRO or oligonucleotides of at least about 20-80 bases) designed to identify the gene of interest or the protein encoded by it. Screening the cDNA or genomic library with the selected probe may be conducted using standard procedures, such as described in Sambrook et al., Molecular Cloning: A Laboratory Manual (New York: Cold Spring Harbor Laboratory Press, 1989). An alternative means to isolate the gene encoding PRO is to use PCR methodology [Sambrook et al., supra; Dieffenbach et al., PCR Primer: A Laboratory Manual (Cold Spring Harbor Laboratory Press, 1995)].

The Examples below describe techniques for screening a cDNA library. The oligonucleotide sequences selected as probes should be of sufficient length and sufficiently unambiguous that false positives are minimized. The oligonucleotide is preferably labeled such that it can be detected upon hybridization to DNA in the library being screened. Methods of labeling are well known in the art, and include the use of radiolabels like ³²P-labeled ATP, biotinylation or enzyme labeling. Hybridization conditions, including moderate stringency and high stringency, are provided in Sambrook et al., supra.

Sequences identified in such library screening methods can be compared and aligned to other known sequences deposited and available in public databases such as GenBank or other private sequence databases. Sequence identity (at either the amino acid or nucleotide level) within defined regions of the molecule or across the full-length sequence can be determined using methods known in the art and as described herein.

Nucleic acid having protein coding sequence may be obtained by screening selected cDNA or genomic libraries using the deduced amino acid sequence disclosed herein for the first time, and, if necessary, using conventional primer extension procedures as described in Sambrook et al., supra, to detect precursors and processing intermediates of mRNA that may not have been reverse-transcribed into cDNA.

2. Selection and Transformation of Host Cells

Host cells are transfected or transformed with expression or cloning vectors described herein for PRO production and cultured in conventional nutrient media modified as appropriate for inducing promoters, selecting transformants, or amplifying the genes encoding the desired sequences. The culture conditions, such as media, temperature, pH and the like, can be selected by the skilled artisan without undue experimentation. In general, principles, protocols, and practical techniques for maximizing the productivity of cell cultures can be found in Mammalian Cell Biotechnology: a Practical Approach, M. Butler, ed. (IRL Press, 1991) and Sambrook et al., supra.

Methods of eukaryotic cell transfection and prokaryotic cell transformation are known to the ordinarily skilled artisan, for example, CaCl_2 , CaPO_4 , liposome-mediated and electroporation. Depending on the host cell used, transformation is performed using standard techniques appropriate to such cells. The calcium treatment employing calcium chloride, as described in Sambrook et al., supra, or electroporation is generally used for prokaryotes. Infection with *Agrobacterium tumefaciens* is used for transformation of certain plant cells, as described by Shaw et al., Gene, 23:315 (1983) and WO 89/05859 published 29 June 1989. For mammalian cells without such cell walls, the calcium phosphate precipitation method of Graham and van der Eb, Virology, 52:456-457 (1978) can be employed. General aspects of mammalian cell host system transfections have been described in U.S. Patent No. 4,399,216. Transformations into yeast are typically carried out according to the method of Van Solingen et al., J. Bact., 130:946 (1977) and Hsiao et al., Proc. Natl. Acad. Sci. (USA), 76:3829 (1979). However, other methods for introducing DNA into cells, such as by nuclear microinjection, electroporation, bacterial protoplast fusion with intact cells, or polycations, e.g., polybrene, polyornithine, may also be used. For various techniques for transforming mammalian cells, see Keown et al., Methods in Enzymology, 185:527-537 (1990) and Mansour et al., Nature, 336:348-352 (1988).

Suitable host cells for cloning or expressing the DNA in the vectors herein include prokaryote, yeast, or higher eukaryote cells. Suitable prokaryotes include but are not limited to eubacteria, such as Gram-negative or Gram-positive organisms, for example, Enterobacteriaceae such as *E. coli*. Various *E. coli* strains are publicly available, such as *E. coli* K12 strain MM294 (ATCC 31,446); *E. coli* X1776 (ATCC 31,537); *E. coli* strain W3110 (ATCC 27,325) and K5 772 (ATCC 53,635). Other suitable prokaryotic host cells include Enterobacteriaceae such as *Escherichia*, e.g., *E. coli*, *Enterobacter*, *Erwinia*, *Klebsiella*, *Proteus*, *Salmonella*, e.g., *Salmonella typhimurium*, *Serratia*, e.g., *Serratia marcescans*, and *Shigella*, as well as *Bacilli* such as *B. subtilis* and *B. licheniformis* (e.g., *B. licheniformis* 41P disclosed in DD 266,710 published 12 April 1989), *Pseudomonas* such as *P. aeruginosa*, and *Streptomyces*. These examples are illustrative rather than limiting. Strain W3110 is one particularly preferred host or parent host because it is a common host strain for recombinant DNA product fermentations. Preferably, the host cell secretes minimal amounts of proteolytic enzymes. For example, strain W3110 may be modified to effect a genetic mutation in the genes encoding proteins endogenous to the host, with examples of such hosts including *E. coli* W3110 strain 1A2, which has the complete genotype *tonA*; *E. coli* W3110 strain 9E4, which has the complete genotype *tonA ptr3*; *E. coli* W3110 strain 27C7 (ATCC 55,244), which has the complete genotype *tonA ptr3 phoA E15 (argF-lac)169 degP ompT kan'*; *E. coli* W3110 strain 37D6, which has the complete genotype *tonA ptr3 phoA E15 (argF-lac)169 degP ompT rbs7*

ilvG kan^r; *E. coli* W3110 strain 40B4, which is strain 37D6 with a non-kanamycin resistant *degP* deletion mutation; and an *E. coli* strain having mutant periplasmic protease disclosed in U.S. Patent No. 4,946,783 issued 7 August 1990. Alternatively, *in vitro* methods of cloning, e.g., PCR or other nucleic acid polymerase reactions, are suitable.

In addition to prokaryotes, eukaryotic microbes such as filamentous fungi or yeast are suitable cloning or expression hosts for PRO-encoding vectors. *Saccharomyces cerevisiae* is a commonly used lower eukaryotic host microorganism. Others include *Schizosaccharomyces pombe* (Beach and Nurse, Nature, 290: 140 [1981]; EP 139,383 published 2 May 1985); *Kluyveromyces* hosts (U.S. Patent No. 4,943,529; Fleer et al., Bio/Technology, 9:968-975 (1991)) such as, e.g., *K. lactis* (MW98-8C, CBS683, CBS4574; Louvencourt et al., J. Bacteriol., 737 [1983]), *K. fragilis* (ATCC 12,424), *K. bulgaricus* (ATCC 16,045), *K. wickerhamii* (ATCC 24,178), *K. waltii* (ATCC 56,500), *K. drosophilum* (ATCC 36,906; Van den Berg et al., Bio/Technology, 8:135 (1990)), *K. thermotolerans*, and *K. marxianus*; *yarrowia* (EP 402,226); *Pichia pastoris* (EP 183,070; Sreekrishna et al., J. Basic Microbiol., 28:265-278 [1988]); *Candida*; *Trichoderma reesia* (EP 244,234); *Neurospora crassa* (Case et al., Proc. Natl. Acad. Sci. USA, 76:5259-5263 [1979]); *Schwanniomyces* such as *Schwanniomyces occidentalis* (EP 394,538 published 31 October 1990); and filamentous fungi such as, e.g., *Neurospora*, *Penicillium*, *Tolypocladium* (WO 91/00357 published 10 January 1991), and *Aspergillus* hosts such as *A. nidulans* (Ballance et al., Biochem. Biophys. Res. Commun., 112:284-289 [1983]; Tilburn et al., Gene, 26:205-221 [1983]; Yelton et al., Proc. Natl. Acad. Sci. USA, 81: 1470-1474 [1984]) and *A. niger* (Kelly and Hynes, EMBO J., 4:475-479 [1985]). Methylophilic yeasts are suitable herein and include, but are not limited to, yeast capable of growth on methanol selected from the genera consisting of *Hansenula*, *Candida*, *Kloeckera*, *Pichia*, *Saccharomyces*, *Torulopsis*, and *Rhodotorula*. A list of specific species that are exemplary of this class of yeasts may be found in C. Anthony, The Biochemistry of Methylophilic Yeasts, 269 (1982).

Suitable host cells for the expression of glycosylated PRO are derived from multicellular organisms. Examples of invertebrate cells include insect cells such as *Drosophila* S2 and *Spodoptera* Sf9, as well as plant cells. Examples of useful mammalian host cell lines include Chinese hamster ovary (CHO) and COS cells. More specific examples include monkey kidney CV1 line transformed by SV40 (COS-7, ATCC CRL 1651); human embryonic kidney line (293 or 293 cells subcloned for growth in suspension culture, Graham et al., J. Gen Virol., 36:59 (1977)); Chinese hamster ovary cells/-DHFR (CHO, Urlaub and Chasin, Proc. Natl. Acad. Sci. USA, 77:4216 (1980)); mouse sertoli cells (TM4, Mather, Biol. Reprod., 23:243-251 (1980)); human lung cells (W138, ATCC CCL 75); human liver cells (Hep G2, HB 8065); and mouse mammary tumor (MMT 060562, ATCC CCL51). The selection of the appropriate host cell is deemed to be within the skill in the art.

3. Selection and Use of a Replicable Vector

The nucleic acid (e.g., cDNA or genomic DNA) encoding PRO may be inserted into a replicable vector for cloning (amplification of the DNA) or for expression. Various vectors are publicly available. The vector may, for example, be in the form of a plasmid, cosmid, viral particle, or phage. The appropriate nucleic acid sequence may be inserted into the vector by a variety of procedures. In general, DNA is inserted into an appropriate restriction endonuclease site(s) using techniques known in the art. Vector components generally

include, but are not limited to, one or more of a signal sequence, an origin of replication, one or more marker genes, an enhancer element, a promoter, and a transcription termination sequence. Construction of suitable vectors containing one or more of these components employs standard ligation techniques which are known to the skilled artisan.

5 The PRO may be produced recombinantly not only directly, but also as a fusion polypeptide with a heterologous polypeptide, which may be a signal sequence or other polypeptide having a specific cleavage site at the N-terminus of the mature protein or polypeptide. In general, the signal sequence may be a component of the vector, or it may be a part of the PRO-encoding DNA that is inserted into the vector. The signal sequence may be a prokaryotic signal sequence selected, for example, from the group of the alkaline phosphatase, penicillinase, lpp, or heat-stable enterotoxin II leaders. For yeast secretion the signal sequence may be, e.g.,
10 the yeast invertase leader, alpha factor leader (including *Saccharomyces* and *Kluyveromyces* α -factor leaders, the latter described in U.S. Patent No. 5,010,182), or acid phosphatase leader, the *C. albicans* glucoamylase leader (EP 362,179 published 4 April 1990), or the signal described in WO 90/13646 published 15 November 1990. In mammalian cell expression, mammalian signal sequences may be used to direct secretion of the protein, such as signal sequences from secreted polypeptides of the same or related species, as well as viral
15 secretory leaders.

Both expression and cloning vectors contain a nucleic acid sequence that enables the vector to replicate in one or more selected host cells. Such sequences are well known for a variety of bacteria, yeast, and viruses. The origin of replication from the plasmid pBR322 is suitable for most Gram-negative bacteria, the 2μ plasmid origin is suitable for yeast, and various viral origins (SV40, polyoma, adenovirus, VSV or BPV) are useful for
20 cloning vectors in mammalian cells.

Expression and cloning vectors will typically contain a selection gene, also termed a selectable marker. Typical selection genes encode proteins that (a) confer resistance to antibiotics or other toxins, e.g., ampicillin, neomycin, methotrexate, or tetracycline, (b) complement auxotrophic deficiencies, or (c) supply critical nutrients not available from complex media, e.g., the gene encoding D-alanine racemase for *Bacilli*.

25 An example of suitable selectable markers for mammalian cells are those that enable the identification of cells competent to take up the PRO-encoding nucleic acid, such as DHFR or thymidine kinase. An appropriate host cell when wild-type DHFR is employed is the CHO cell line deficient in DHFR activity, prepared and propagated as described by Urlaub et al., Proc. Natl. Acad. Sci. USA, 77:4216 (1980). A suitable selection gene for use in yeast is the *trp1* gene present in the yeast plasmid YRp7 [Stinchcomb et al., Nature,
30 282:39 (1979); Kingsman et al., Gene, 7:141 (1979); Tschemper et al., Gene, 10:157 (1980)]. The *trp1* gene provides a selection marker for a mutant strain of yeast lacking the ability to grow in tryptophan, for example, ATCC No. 44076 or PEP4-1 [Jones, Genetics, 85:12 (1977)].

Expression and cloning vectors usually contain a promoter operably linked to the PRO-encoding nucleic acid sequence to direct mRNA synthesis. Promoters recognized by a variety of potential host cells are well
35 known. Promoters suitable for use with prokaryotic hosts include the β -lactamase and lactose promoter systems [Chang et al., Nature, 275:615 (1978); Goeddel et al., Nature, 281:544 (1979)], alkaline phosphatase, a tryptophan (*trp*) promoter system [Goeddel, Nucleic Acids Res., 8:4057 (1980); EP 36,776], and hybrid

promoters such as the tac promoter [deBoer et al., Proc. Natl. Acad. Sci. USA, 80:21-25 (1983)]. Promoters for use in bacterial systems also will contain a Shine-Dalgarno (S.D.) sequence operably linked to the DNA encoding PRO.

5 Examples of suitable promoting sequences for use with yeast hosts include the promoters for 3-phosphoglycerate kinase [Hitzeman et al., J. Biol. Chem., 255:2073 (1980)] or other glycolytic enzymes [Hess et al., J. Adv. Enzyme Reg., 7:149 (1968); Holland, Biochemistry, 17:4900 (1978)], such as enolase, glyceraldehyde-3-phosphate dehydrogenase, hexokinase, pyruvate decarboxylase, phosphofructokinase, glucose-6-phosphate isomerase, 3-phosphoglycerate mutase, pyruvate kinase, triosephosphate isomerase, phosphoglucose isomerase, and glucokinase.

10 Other yeast promoters, which are inducible promoters having the additional advantage of transcription controlled by growth conditions, are the promoter regions for alcohol dehydrogenase 2, isocytochrome C, acid phosphatase, degradative enzymes associated with nitrogen metabolism, metallothionein, glyceraldehyde-3-phosphate dehydrogenase, and enzymes responsible for maltose and galactose utilization. Suitable vectors and promoters for use in yeast expression are further described in EP 73,657.

15 PRO transcription from vectors in mammalian host cells is controlled, for example, by promoters obtained from the genomes of viruses such as polyoma virus, fowlpox virus (UK 2,211,504 published 5 July 1989), adenovirus (such as Adenovirus 2), bovine papilloma virus, avian sarcoma virus, cytomegalovirus, a retrovirus, hepatitis-B virus and Simian Virus 40 (SV40), from heterologous mammalian promoters, e.g., the actin promoter or an immunoglobulin promoter, and from heat-shock promoters, provided such promoters are compatible with the host cell systems.

20 Transcription of a DNA encoding the PRO by higher eukaryotes may be increased by inserting an enhancer sequence into the vector. Enhancers are cis-acting elements of DNA, usually about from 10 to 300 bp, that act on a promoter to increase its transcription. Many enhancer sequences are now known from mammalian genes (globin, elastase, albumin, α -fetoprotein, and insulin). Typically, however, one will use an enhancer from a eukaryotic cell virus. Examples include the SV40 enhancer on the late side of the replication origin (bp 100-270), the cytomegalovirus early promoter enhancer, the polyoma enhancer on the late side of the replication origin, and adenovirus enhancers. The enhancer may be spliced into the vector at a position 5' or 3' to the PRO coding sequence, but is preferably located at a site 5' from the promoter.

25 Expression vectors used in eukaryotic host cells (yeast, fungi, insect, plant, animal, human, or nucleated cells from other multicellular organisms) will also contain sequences necessary for the termination of transcription and for stabilizing the mRNA. Such sequences are commonly available from the 5' and, occasionally 3', untranslated regions of eukaryotic or viral DNAs or cDNAs. These regions contain nucleotide segments transcribed as polyadenylated fragments in the untranslated portion of the mRNA encoding PRO.

30 Still other methods, vectors, and host cells suitable for adaptation to the synthesis of PRO in recombinant vertebrate cell culture are described in Gething et al., Nature, 293:620-625 (1981); Mantei et al., Nature, 281:40-46 (1979); EP 117,060; and EP 117,058.

Ribozymes are enzymatic RNA molecules capable of catalyzing the specific cleavage of RNA. Ribozymes act by sequence-specific hybridization to the complementary target RNA, followed by endonucleolytic cleavage. Specific ribozyme cleavage sites within a potential RNA target can be identified by known techniques. For further details see, e.g., Rossi, Current Biology, 4:469-471 (1994), and PCT publication No. WO 97/33551 (published September 18, 1997).

5 Nucleic acid molecules in triple-helix formation used to inhibit transcription should be single-stranded and composed of deoxynucleotides. The base composition of these oligonucleotides is designed such that it promotes triple-helix formation via Hoogsteen base-pairing rules, which generally require sizeable stretches of purines or pyrimidines on one strand of a duplex. For further details see, e.g., PCT publication No. WO 97/33551, *supra*.

10 These small molecules can be identified by any one or more of the screening assays discussed hereinabove and/or by any other screening techniques well known for those skilled in the art.

PRO189 can be used in assays with W01A6.1 of *C. Elegans*, phosphodiesterases, transporters and proteins which bind to fatty acids, to determine the relative activities of PRO189 against these proteins. The results can be applied accordingly.

15

F. Anti-PRO Antibodies

The present invention further provides anti-PRO antibodies. Exemplary antibodies include polyclonal, monoclonal, humanized, bispecific, and heteroconjugate antibodies.

20

1. Polyclonal Antibodies

The anti-PRO antibodies may comprise polyclonal antibodies. Methods of preparing polyclonal antibodies are known to the skilled artisan. Polyclonal antibodies can be raised in a mammal, for example, by one or more injections of an immunizing agent and, if desired, an adjuvant. Typically, the immunizing agent and/or adjuvant will be injected in the mammal by multiple subcutaneous or intraperitoneal injections. The immunizing agent may include the PRO polypeptide or a fusion protein thereof. It may be useful to conjugate the immunizing agent to a protein known to be immunogenic in the mammal being immunized. Examples of such immunogenic proteins include but are not limited to keyhole limpet hemocyanin, serum albumin, bovine thyroglobulin, and soybean trypsin inhibitor. Examples of adjuvants which may be employed include Freund's complete adjuvant and MPL-TDM adjuvant (monophosphoryl Lipid A, synthetic trehalose dicorynomycolate).

25 30 The immunization protocol may be selected by one skilled in the art without undue experimentation.

2. Monoclonal Antibodies

The anti-PRO antibodies may, alternatively, be monoclonal antibodies. Monoclonal antibodies may be prepared using hybridoma methods, such as those described by Kohler and Milstein, Nature, 256:495 (1975).

35 In a hybridoma method, a mouse, hamster, or other appropriate host animal, is typically immunized with an immunizing agent to elicit lymphocytes that produce or are capable of producing antibodies that will specifically bind to the immunizing agent. Alternatively, the lymphocytes may be immunized *in vitro*.

The immunizing agent will typically include the PRO polypeptide or a fusion protein thereof. Generally, either peripheral blood lymphocytes ("PBLs") are used if cells of human origin are desired, or spleen cells or lymph node cells are used if non-human mammalian sources are desired. The lymphocytes are then fused with an immortalized cell line using a suitable fusing agent, such as polyethylene glycol, to form a hybridoma cell [Goding, Monoclonal Antibodies: Principles and Practice, Academic Press, (1986) pp. 59-103].

- 5 Immortalized cell lines are usually transformed mammalian cells, particularly myeloma cells of rodent, bovine and human origin. Usually, rat or mouse myeloma cell lines are employed. The hybridoma cells may be cultured in a suitable culture medium that preferably contains one or more substances that inhibit the growth or survival of the unfused, immortalized cells. For example, if the parental cells lack the enzyme hypoxanthine guanine phosphoribosyl transferase (HGPRT or HPRT), the culture medium for the hybridomas typically will
- 10 include hypoxanthine, aminopterin, and thymidine ("HAT medium"), which substances prevent the growth of HGPRT-deficient cells.

- Preferred immortalized cell lines are those that fuse efficiently, support stable high level expression of antibody by the selected antibody-producing cells, and are sensitive to a medium such as HAT medium. More preferred immortalized cell lines are murine myeloma lines, which can be obtained, for instance, from the Salk
- 15 Institute Cell Distribution Center, San Diego, California and the American Type Culture Collection, Manassas, Virginia. Human myeloma and mouse-human heteromyeloma cell lines also have been described for the production of human monoclonal antibodies [Kozbor, J. Immunol., 133:3001 (1984); Brodeur et al., Monoclonal Antibody Production Techniques and Applications, Marcel Dekker, Inc., New York, (1987) pp. 51-63].

- The culture medium in which the hybridoma cells are cultured can then be assayed for the presence of
- 20 monoclonal antibodies directed against PRO. Preferably, the binding specificity of monoclonal antibodies produced by the hybridoma cells is determined by immunoprecipitation or by an *in vitro* binding assay, such as radioimmunoassay (RIA) or enzyme-linked immunoabsorbent assay (ELISA). Such techniques and assays are known in the art. The binding affinity of the monoclonal antibody can, for example, be determined by the Scatchard analysis of Munson and Pollard, Anal. Biochem., 107:220 (1980).

- 25 After the desired hybridoma cells are identified, the clones may be subcloned by limiting dilution procedures and grown by standard methods [Goding, supra]. Suitable culture media for this purpose include, for example, Dulbecco's Modified Eagle's Medium and RPMI-1640 medium. Alternatively, the hybridoma cells may be grown *in vivo* as ascites in a mammal.

- The monoclonal antibodies secreted by the subclones may be isolated or purified from the culture
- 30 medium or ascites fluid by conventional immunoglobulin purification procedures such as, for example, protein A-Sepharose, hydroxylapatite chromatography, gel electrophoresis, dialysis, or affinity chromatography.

- The monoclonal antibodies may also be made by recombinant DNA methods, such as those described in U.S. Patent No. 4,816,567. DNA encoding the monoclonal antibodies of the invention can be readily isolated and sequenced using conventional procedures (e.g., by using oligonucleotide probes that are capable of binding
- 35 specifically to genes encoding the heavy and light chains of murine antibodies). The hybridoma cells of the invention serve as a preferred source of such DNA. Once isolated, the DNA may be placed into expression vectors, which are then transfected into host cells such as simian COS cells, Chinese hamster ovary (CHO) cells,

or myeloma cells that do not otherwise produce immunoglobulin protein, to obtain the synthesis of monoclonal antibodies in the recombinant host cells. The DNA also may be modified, for example, by substituting the coding sequence for human heavy and light chain constant domains in place of the homologous murine sequences [U.S. Patent No. 4,816,567; Morrison et al., *supra*] or by covalently joining to the immunoglobulin coding sequence all or part of the coding sequence for a non-immunoglobulin polypeptide. Such a non-immunoglobulin polypeptide can be substituted for the constant domains of an antibody of the invention, or can be substituted for the variable domains of one antigen-combining site of an antibody of the invention to create a chimeric bivalent antibody.

The antibodies may be monovalent antibodies. Methods for preparing monovalent antibodies are well known in the art. For example, one method involves recombinant expression of immunoglobulin light chain and modified heavy chain. The heavy chain is truncated generally at any point in the Fc region so as to prevent heavy chain crosslinking. Alternatively, the relevant cysteine residues are substituted with another amino acid residue or are deleted so as to prevent crosslinking.

In vitro methods are also suitable for preparing monovalent antibodies. Digestion of antibodies to produce fragments thereof, particularly, Fab fragments, can be accomplished using routine techniques known in the art.

3. Human and Humanized Antibodies

The anti-PRO antibodies of the invention may further comprise humanized antibodies or human antibodies. Humanized forms of non-human (e.g., murine) antibodies are chimeric immunoglobulins, immunoglobulin chains or fragments thereof (such as Fv, Fab, Fab', F(ab')₂ or other antigen-binding subsequences of antibodies) which contain minimal sequence derived from non-human immunoglobulin. Humanized antibodies include human immunoglobulins (recipient antibody) in which residues from a complementary determining region (CDR) of the recipient are replaced by residues from a CDR of a non-human species (donor antibody) such as mouse, rat or rabbit having the desired specificity, affinity and capacity. In some instances, Fv framework residues of the human immunoglobulin are replaced by corresponding non-human residues. Humanized antibodies may also comprise residues which are found neither in the recipient antibody nor in the imported CDR or framework sequences. In general, the humanized antibody will comprise substantially all of at least one, and typically two, variable domains, in which all or substantially all of the CDR regions correspond to those of a non-human immunoglobulin and all or substantially all of the FR regions are those of a human immunoglobulin consensus sequence. The humanized antibody optimally also will comprise at least a portion of an immunoglobulin constant region (Fc), typically that of a human immunoglobulin [Jones et al., *Nature*, 321:522-525 (1986); Riechmann et al., *Nature*, 332:323-329 (1988); and Presta, *Curr. Op. Struct. Biol.*, 2:593-596 (1992)].

Methods for humanizing non-human antibodies are well known in the art. Generally, a humanized antibody has one or more amino acid residues introduced into it from a source which is non-human. These non-human amino acid residues are often referred to as "import" residues, which are typically taken from an "import" variable domain. Humanization can be essentially performed following the method of Winter and co-workers

[Jones et al., Nature, 321:522-525 (1986); Riechmann et al., Nature, 332:323-327 (1988); Verhoeven et al., Science, 239:1534-1536 (1988)], by substituting rodent CDRs or CDR sequences for the corresponding sequences of a human antibody. Accordingly, such "humanized" antibodies are chimeric antibodies (U.S. Patent No. 4,816,567), wherein substantially less than an intact human variable domain has been substituted by the corresponding sequence from a non-human species. In practice, humanized antibodies are typically human antibodies in which some CDR residues and possibly some FR residues are substituted by residues from analogous sites in rodent antibodies.

Human antibodies can also be produced using various techniques known in the art, including phage display libraries [Hoogenboom and Winter, J. Mol. Biol., 227:381 (1991); Marks et al., J. Mol. Biol., 222:581 (1991)]. The techniques of Cole et al. and Boerner et al. are also available for the preparation of human monoclonal antibodies (Cole et al., Monoclonal Antibodies and Cancer Therapy, Alan R. Liss, p. 77 (1985) and Boerner et al., J. Immunol., 147(1):86-95 (1991)]. Similarly, human antibodies can be made by introducing of human immunoglobulin loci into transgenic animals, e.g., mice in which the endogenous immunoglobulin genes have been partially or completely inactivated. Upon challenge, human antibody production is observed, which closely resembles that seen in humans in all respects, including gene rearrangement, assembly, and antibody repertoire. This approach is described, for example, in U.S. Patent Nos. 5,545,807; 5,545,806; 5,569,825; 5,625,126; 5,633,425; 5,661,016, and in the following scientific publications: Marks et al., Bio/Technology 10, 779-783 (1992); Lonberg et al., Nature 368 856-859 (1994); Morrison, Nature 368, 812-13 (1994); Fishwild et al., Nature Biotechnology 14, 845-51 (1996); Neuberger, Nature Biotechnology 14, 826 (1996); Lonberg and Huszar, Intern. Rev. Immunol. 13 65-93 (1995).

4. Bispecific Antibodies

Bispecific antibodies are monoclonal, preferably human or humanized, antibodies that have binding specificities for at least two different antigens. In the present case, one of the binding specificities is for the PRO, the other one is for any other antigen, and preferably for a cell-surface protein or receptor or receptor subunit.

Methods for making bispecific antibodies are known in the art. Traditionally, the recombinant production of bispecific antibodies is based on the co-expression of two immunoglobulin heavy-chain/light-chain pairs, where the two heavy chains have different specificities [Milstein and Cuello, Nature, 305:537-539 (1983)]. Because of the random assortment of immunoglobulin heavy and light chains, these hybridomas (quadromas) produce a potential mixture of ten different antibody molecules, of which only one has the correct bispecific structure. The purification of the correct molecule is usually accomplished by affinity chromatography steps. Similar procedures are disclosed in WO 93/08829, published 13 May 1993, and in Traunecker et al., EMBO J., 10:3655-3659 (1991).

Antibody variable domains with the desired binding specificities (antibody-antigen combining sites) can be fused to immunoglobulin constant domain sequences. The fusion preferably is with an immunoglobulin heavy-chain constant domain, comprising at least part of the hinge, CH2, and CH3 regions. It is preferred to have the first heavy-chain constant region (CH1) containing the site necessary for light-chain binding present in